श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 25 * अंक : 16 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 15 नवम्बर 2019 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

गच्छाधिपतिश्री के सान्निध्य में परिषद् अधिवेशन सम्पन्न

उदयपुर, (स. सं),

प. पू. पुण्य-सम्राट आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति, धर्मदिवाकर श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की शुभनिश्रा में श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ राजेन्द्र-यतीन्द्र-जयन्तसेन वाटिका, पिपलौदा (म. प्र.) की धर्मधरा पर अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक-महिला-तरुण परिषद् का संयुक्त राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न हुआ।

द्विदिवसीय अधिवेशन में दिनांक 9 नवम्बर 2019 को प्रातः 8.30 बजे भोजन मण्डप से दादावाड़ी तक प्रभातफेरी निकाली गई। दादावाड़ी पहुँचने पर प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण के साथ नवयुवक, महिला एवं तरुण परिषद् के संयुक्त अधिवेशन का शुभारम्भ हुआ। गच्छाधिपतिश्री, मुनि भगवन्तों एवं अतिथियों द्वारा अपने वक्तव्य में परिषद् द्वारा किये जारहे जनकल्याण के कार्यक्रमों की अनुमोदना करते हुए सभी परिषद् कार्यकर्ताओं को बधाई के साथ शुभकामना दी गई।

त्रिस्तुतिक जैन संघ के राष्ट्रीय महामन्त्री श्री सुरेन्द्रजी लोढ़ा द्वारा पुण्य-सम्राटश्री के जीवन पर रचित 'पुण्य-सम्राट' ग्रन्थ का विमोचन किया गया। दोपहर में तीनों इकाईयों का अलग-अलग अधिवेशन हुआ जिसमें उपस्थित शाखाओं के प्रतिनिधियों ने शाखा की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। सायं 4 बजे महिला एवं तरुण परिषद् की श्रेष्ठ शाखाओं को पुरस्कृत किया गया जिसमें शिक्षा क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने हेतु निम्बाहेड़ा शाखा को पुरस्कृत किया गया, शाखा अध्यक्ष दिव्यांशु डाँगी ने पुरस्कार ग्रहण किया। महिला एवं तरुण परिषद् की इकाइयों के पूर्व पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया गया और नवीन पदाधिकारियों की घोषणा की गई। रात्रि 7 बजे से नवयुवक परिषद् का 'अपनों से अपनी बात' कार्यक्रम में सुझाव, प्रस्ताव एवं विविध चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में शाखाओं के प्रतिनिधियों ने परिषद् के हित में कई सुझाव एवं प्रस्ताव रखते हुए अपनी बात प्रस्तुत की।

दिनांक 10 नवम्बर 2019 को नवयुवक परिषद् का अधिवेशन प्रातः 8.30 बजे प्रारम्भ हुआ। जिसमें गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरिजी म. सा. ने कहा कि मैं परिषद् में हूँ व परिषद् मुझमें हैं। पुण्य-सम्राट ने जो स्वप्न संजोये थे उन स्वप्नों को हमें मिलकर पूरा करना होगा। इसलिए परिषद् के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु निरन्तर कार्य करते रहें, क्योंकि परिषद् हमें अनुशासन का पाठ सिखाती है। दृढ़ संकल्पित होकर अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन कर कर्त्तव्यवान बनें व परिषद् को नित नए आयाम तक पहुँचाकर गुरुदेव के स्वप्न को साकार करें।

मुनिराजश्री सिद्धरत्नविजयजी म. सा., मुनिराजश्री विद्वद्रत्नविजयजी म. सा. के साथ ही वरिष्ठजनों ने मार्गदर्शन प्रदान किया। उपस्थित शाखाओं की प्रगति उन्हीं की जुबानी कार्यक्रम में शाखा प्रमुखों ने अपनी बात रखी।

दोपहर के सत्र में राष्ट्रीय स्तर पर धार्मिक, जनकल्याण एवं विविध कार्यक्रमों के लिए श्रेष्ठ कार्य सम्पादित करने वाली शाखाओं को पुरस्कृत किया गया। इसी सत्र में वर्तमान पदाधिकारियों द्वारा निवृत्त पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया गया तथा नवीन पदाधिकारियों की घोषणा कर अधिवेशन के समापन की घोषणा की गई। नवयुवक परिषद् राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा पिपलौदा श्रीसंघ एवं परिषद् परिवार को ऐतिहासिक चातुर्मास के सुन्दरतम आयोजन हेतु अभिनन्दन-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

आचार्यश्री द्वारा दीक्षा मुहूर्त्त प्रदान भाण्डवपुर तीर्थ में उद्घाटन

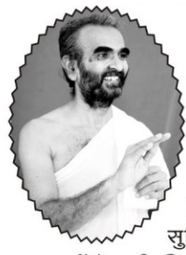

धानेरा, (स. सं),

प. पू. चर्चाचक्रवर्ती आचार्यदेव श्रीमद्विजय धनचन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. की पाटगादी स्थली धर्म नगरी धानेरा में प. पू. राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर एवं कृपासिन्धु, योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा. के सुशिष्यरत्न भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, सूरिमन्त्राराधक, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की शुभनिश्रा में चातुर्मासान्तर्गत प्रतिदिन विविध धार्मिक आयोजन गतिमान हैं।

कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि सूरिमन्त्राराधक आचार्यदेवेशश्री ने दिनांक 7-11-2019 को पिपलौदा (म. प्र.) निवासी मुमुक्षु आजादकुमार जैन मो भागवती प्रवज्या का शुभ मुहूर्त्त फाल्गुन कृष्णा 5, गुरुवार दिनांक 13 फरवरी 2020 का प्रदान किया।

दीक्षा मुहूर्त ग्रहण करते हुए।

पिपलौदा (म. प्र.) से पधारे श्री मोतीलालजी नान्देचा-बोहरा एवं लाखाणी से श्री हरीलालजी त्रिभुवन-दासजी मोरखिया परिवार के 50 सदस्यों ने मुमुक्षु आजादकुमार जैन को भागवती दीक्षा हेतु मुहूर्त्त प्रदान करने की विनती की।

आजादकुमार ने प. पू. पुण्य-सम्राटश्री की सेवामें 20 वर्षों तक लगातार रहकर वैयावच्च एवं सेवा की एवं समुदाय में साधु-साध्वीजी के विहार में भी तत्परता से वैयावच्च करने का लाभ लिया। दक्षिण भारत के अनेक नगरों में पैदल विहार भी किया। इस बड़ी उम्र में भी परम पूज्य जैनाचार्य श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के साथ रहकर पिछले 7 महीनों से दत्तचित्त होकर धार्मिक सूत्रों का कण्ठस्थीकरण किया। परिवार के सभी सदस्यों की शुभाज्ञा प्राप्त होने पर गुरुदेवश्री ने विनती को स्वीकार करते हुए मुहूर्त्त प्रदान करते हुए पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की पुण्यभूमि अतिप्राचीन श्री भाण्डवपुर तीर्थ में दीक्षा प्रदान करने की घोषणा की।

आचार्यदेवेशश्री ने साथ ही श्री भाण्डवपुर तीर्थ में शा. नेनमलजी साहेबचन्दजी बालगोता-मेंगलवा द्वारा निर्मित श्री राजेन्द्रसूरि सभा भवन के उद्घाटन एवं पेढ़ी द्वारा ग्राम में उच्च माध्यमिक स्कूल एवं हॉस्पीटल के उद्घाटन की भी घोषणा की।

श्री भाण्डवपुर तीर्थ में आज प्रातः शुभ वेला में गुरुश्री शान्तिविजय समाधि मन्दिर का भट्ट मुहूर्त्त किया गया।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

आराधना भवन का उद्घाटन

पिपलौदा (स. सं.),

परम पूज्य पुण्य-सम्राट गुरुदेव के पट्टधर गच्छाधिपति, धर्मदिवाकर श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की शुभनिश्रा में कालूखेड़ा में नव निर्मित श्री राज राजेन्द्र-जयन्तसेन आराधना भवन का भव्यातिभव्य उद्घाटन समारोहपूर्वक दिनांक 8 नवम्बर 2019 को श्रीसंघ एवं परिषद् के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं विशाल संख्या में पधारे गुरुभक्तों की उपस्थिति में हुआ।

गच्छाधिपतिश्री ने धामेड़ी गाँव में श्री दीनदयालजी पाटीदार के निवास पर आशीर्वाद प्रदान किया। श्री पाटीदार ने पिपलौदा चातुर्मास समिति को भोजनशाला का स्थान अस्थायी रूप से चातुर्मास हेतु प्रदान कर धर्म प्रभावना का लाभ लिया।

धार्मिक पाठशाला का उद्घाटन

बेंगलुरु (स. सं.),

परम पूज्य पुण्य-सम्राट गुरुदेव के पट्टधरद्वय के शुभाशीर्वाद से बेंगलुरु के नगरपेट में पू. साध्वीश्री सूर्योदयाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में अ. भा. श्री राजेन्द्रजैन नवयुवक-महिला परिषद् के तत्वावधान में श्री राजेन्द्र-जयन्त-लावण्य धार्मिक पाठशाला का उद्घाटन हुआ।

उद्घाटन कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित करते हुए श्रावक-श्राविकाओं ने मंलाचरण प्रस्तुत करके किया।

साध्वीश्री विपुलदर्शिताश्रीजी म. सा. ने पाठशाला के बारे में विस्तार से जानकारी दी और सभी भाई-बहिनों को धर्म से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर परिषद् की सभी महिलाएँ उपस्थिति थी।

भव्य स्नात्र महोत्सव सम्पन्न

नागदा (स. सं.),

परम पूज्य पुण्य-सम्राट गुरुदेव के पट्टधरद्वय के शुभाशीर्वाद से प. पू. साध्वीश्री डॉ. अमृतरसाश्रीजी म. सा. एवं साध्वीश्री निरागरसाश्रीजी म. सा. की शुभनिश्रा में नागदा नगर में प्रथम बार भव्य स्नात्र महोत्सव का आयोजन दिनांक 2-11-2019 को किया गया।

स्नात्र महोत्सव में महिदपुर सिटी का सुप्रसिद्ध आदिनाथ स्नात्र मण्डल के पुरुष वर्ग द्वारा संगीतमय स्वरावलियों के साथ श्री शान्तिनाथ जिनालय, जैन कॉलोनी में स्नात्र पूजा पढ़ाई गई।

इस अनूठी स्नात्र पूजन का लाभ श्री माणकलालजी सन्तोषकुमारजी छाजेड़ परिवार महिदपुर सिटी ने लिया। श्रीसंघ की ओर से छाजेड़ परिवार का बहुमान किया गया। इस अवसर पर कई श्रावक-श्राविकाओं ने उपस्थित होकर पूजन का लाभ लिया।

नोट- 1. लोकप्रिय 'यतीन्द्र वाणी' पाक्षिक के ग्राहकों से निवेदन है कि आपका पता अगर बदल गया है तो अपना नवीन पता प्रधान कार्यालय पर भेजने की कृपा करावें, जिससे आपको अंक प्राप्त हो सके।

2. जिन ग्राहकों को नियमित यतीन्द्र वाणी नहीं मिल रहा हो वे भी प्रधान कार्यालय से पत्र व्यवहार करके या 09426285604 नम्बर पर सम्पर्क करके पते आदि में सुधार करवा लेवें जिससे आपको समय पर नियमित अंक प्राप्त होता रहे। -सम्पादक

नोट- 'यतीन्द्र वाणी' पाक्षिक प्राप्त करने के लिए आप अपना पूर्ण पता मय पिन कोड एवं मो. नं. के साथ निम्न चलभाष नम्बर पर वाटसप करें।
09426285604, 09413763991

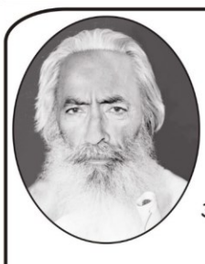

योगी-वाणी

'अच्छाई' और 'कमी' दोनों होती है इन्सान में। बस अन्तर इतना ही है कि-

जो तराशता है उसे 'अच्छाई नजर आती है और जो तलाशता है उसे 'कमी' नजर आती है।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक से चर्चा कर प्राप्त किया मार्गदर्शन

धानेरा (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट के पट्टधर भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने यतीन्द्र वाणी के स. सम्पादक, सूर्य संयम स्वर्ण स्मारिका के संयोजक एवं राष्ट्रीय कवि कुलदीप डाँगी प्रियदर्शी को अपना आत्मीय आशीर्वाद प्रदान किया। दर्शन-वन्दन करने के पश्चात् आचार्यदेवेशश्री से चर्चा करते हुए प्रियदर्शी ने सूर्य संयम स्वर्ण स्मारिका का अवलोकन कराते हुए मार्गदर्शन प्राप्त किया।

आचार्यश्री प्रसन्न मुद्रा में आशीष देते

मुनिराजश्री अवलोकर करते

स्मारिका के वरिष्ठ सम्पादक प. पू. कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने स्मारिका में प्रकाशित होने वाली सामग्री का अवलोकन करते हुए प्रियदर्शी को उचित निर्देश प्रदान किए।

साध्वीश्री जानकारी देते

स्मारिका की महानायिका परम विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. ने प्रियदर्शी को वांछित जानकारी प्रदान करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया।

प्रवचन सभा में श्री भाण्डवपुर महातीर्थ में आयोजित सूर्य संयम स्वर्ण महोत्सव एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धार के 45 वें अवतरण दिवस का आमन्त्रण देते हुए प्रियदर्शी ने अपनी काव्यमयी अभिव्यक्ति प्रस्तुत की तो उपस्थित गुरुभक्तों ने करतल ध्वनि से सम्पूर्ण सभागार को गुँजायमान कर दिया।

पुण्य अर्जित कीजिये क्योंकि यही मार्ग स्वर्ग तक जाता है

मुम्बई से बेंगलुरु जा रही ट्रेन में सफर के दौरान टीसी ने सीट के नीचे छिपी तेरह/चौदह वर्ष की एक लड़की से कहा- टिकिट कहाँ है ? काँपती हुई लड़की- नहीं है साहब ! टीसी- तो गाड़ी से नीचे उतरो। इसका टिकिट मैं दे रही हूँ, पीछे से एक सहयात्री ऊषा भट्टाचार्य की आवाज आई जो पेशे से प्रोफेसर थी। ऊषाजी ने लड़की से पूछा- तुम्हें कहाँ जाना है ? लड़की- पता नहीं मेम। ऊषाजी- तब मेरे साथ चलो, बेंगलुरु तक। ऊषाजी- तुम्हारा नाम क्या है ? लड़की- चित्रा। बेंगलुरु पहुँचकर ऊषाजी ने चित्रा को अपनी जान-पहचान की एक स्वयंसेवी संस्था को सौंप दिया और एक अच्छे स्कूल में भी एडमिशन करवा दिया। जल्द ही ऊषाजी का ट्रान्सफर दिल्ली हो गया जिसके कारण चित्रा से सम्पर्क टूट गया, कभी कभार केवल फोन पर बात हो जाया करती थी।

करीब बीस साल बाद ऊषाजी को एक लेक्चर के लिए सेन फ्रांसिस्को (अमेरिका) बुलाया गया। लेक्चर के बाद जब वह होटल का बिल देने रिसेप्शन पर गई तो पता चला पीछे खड़े एक खूबसूरत दम्पत्ति ने बिल चुका दिया था। ऊषाजी ने कहा- तुमने मेरा बिल क्यों भरा ? मेम, यह मुम्बई से बेंगलुरु तक के रेल टिकिट के सामने कुछ भी नहीं है।

ऊषाजी- अरे चित्रा, तुम हो ! चित्रा और कोई नहीं बल्कि इन्फोसिस फाउण्डेशन की चेयरमेन सुधा मूर्ति थी जो इन्फोसिस के संस्थापक श्री नारायण मूर्ति की पत्नी थी।

यह लघुकथा उन्हीं की लिखी पुस्तक 'द डे आई स्टॉप्ड ड्रिंकिंग मिल्क' से ली गई है। कभी-कभी आपके द्वारा की गई किसी की सहायता किसी का जीवन बदल सकती है। यदि जीवन में कुछ कमाना है तो पुण्य अर्जित कीजिये, क्योंकि यही वो मार्ग है जो आपको स्वर्ग तक ले जाता है।

संकलन-
मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा.

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

प. पू. कृपासिन्धु, योगिराज, संयमवयः स्थविर गुरुदेवश्री शान्तिविजयजी म. सा. द्वारा संस्थापित एवं पुण्यसम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर, तीर्थ प्रेरक, प्रवचनकार आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. द्वारा प्रेरित गुरु स्मारकों पर दर्शनार्थ अवश्य पधारिये !

श्री महावीर 52 जिनालय
श्री वर्धमान राजेन्द्र जैनागम मन्दिर
दादावाड़ी, समाधि-मन्दिर एवं पाटगादी व
पुण्य-सम्राट की पुण्य भूमि से सुशोभित

श्री भाण्डवपुर महातीर्थ

दर्शनार्थ-यात्रार्थ पधारिये

वार्षिक मुख्य आयोजन

चैत्री पूनम, कार्तिक पूनम, गुरु-सप्तमी (पौष शुक्ला 7)
मुख्य मन्दिर, समाधि मन्दिर ध्वजारोहण
गुरु श्री शान्तिविजयजी म. सा. पुण्य तिथि ज्येष्ठ शुक्ला 10
पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की पुण्य तिथि (वैशाख कृष्णा 7)
तथा अक्षय तृतीया को सामूहिक
वर्षीतप पारणा भव्य रूप से होते हैं।

सम्पर्क :
श्री महावीर 52 जिनालय, श्री वर्धमान राजेन्द्र जैनागम मंदिर
संचालक **श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी ट्रस्ट**
श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ)
मु. पो.- भाण्डवपुर तीर्थ, वाया- सायला, जिला- जालोर (राज.)
दूरभाष : 02977-270033, 7340019703-4-5

श्री शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट संचालित

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार

मोटेरा-अहमदाबाद

लगभग 700 वर्ष प्राचीन श्री शान्तिनाथ भगवान प्रतिष्ठित हैं।
प्रगट-प्रभावी दादा गुरुदेव श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा.
का गुरु मन्दिर एवं यतीन्द्र वाणी प्रकाशन भवन,
अहमदाबाद में व्यवसायरत गुजरात एवं राजस्थान प्रवासी
गुरुभक्तों का प्रमुख श्रद्धा केन्द्र

श्री शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट-श्री राजेन्द्र-शान्ति जैनोदय ट्रस्ट
एवं श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय राजेन्द्रसूरि स्मारक जैन संघ, उदयपुर
का केन्द्रीय कार्यालय यहाँ स्थित है।

सम्पर्क सूत्र-
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
मु. पो.- मोटेरा-382 424
ता. जिला- गाँधीनगर (गुजरात)
दूरध्वनि- 079-23296124

तप-त्याग, भक्ति और शौर्य की वसुन्धरा, अरावलीवादियों से आच्छादित, दादा गुरुदेव की दीक्षा स्थली,
झीलों की नगरी उदयपुर में एक बार अवश्य दर्शनार्थ पधारिये।

साधु-साध्वीवृन्द के लिए उपाश्रय, बाहर से पधारे संघों, यात्रियों के ठहरने हेतु सुविधायुक्त विशाल धर्मशाला, भोजनशाला की सम्पूर्ण व्यवस्था।

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार

संचालक-
श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय राजेन्द्रसूरि स्मारक जैन संघ, उदयपुर
दिल्ली-मुम्बई हाईवे-8, केशरियाजी रोड़, उदयपुर से 15 कि.मी. दूर,
मु. पो.- काया-उदयपुर (राज.) मो. 09001295008

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार

84 गच्छमान्य, प्रकट-प्रभावी श्री जीरावला पार्श्वनाथ दादा की शीतल छत्रछाया में
पर्वतशृंग की गोद में स्थित, परम शान्ति-प्रदायक वनराजी से सुशोभित

यात्री आवास की सम्पूर्ण सुविधा उपलब्ध है। दैनिक भाता व्यवस्था भी उपलब्ध है।

सम्पर्क एवं संचालक-
श्री राजेन्द्र-शान्ति जैनोदय ट्रस्ट
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार जीरावलाजी तीर्थ
मु. पो.- जीरावल-307 514
तहसील- रेवदर जिला- सिरोही (राज.) दूरध्वनि- 09001295003

परहित चिन्तक, जीवदया प्रतिपालक, जिनशासन शणगार
जंगम तीर्थ स्वरूप पूज्य गुरु भगवन्तों एवं श्रमणी वृन्दों के
भीनमाल से जीरावलाजी तीर्थ की ओर विहार मार्ग में
भीनमाल से 16 कि. मी. दूर जसवन्तपुरा रोड़ पर
वैयावच्च का अभिनव विहार धाम
1800 वर्ष प्राचीन साँचा श्री सुमतिनाथ भगवान का भव्य कलात्मक मन्दिर
दर्शनार्थ अवश्य पधारिये !

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार धाम

संचालक-
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
श्री जीरावला तीर्थ
मु. पो.- जीरावल-307 514
तहसील- रेवदर जिला- सिरोही (राज.)
मो. 09001295003

सम्पर्क सूत्र-
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार धाम
भीनमाल-जसवन्तपुरा रोड़, झरडेश्वर मन्दिर के पास,
मु. पो.- डोरडा-307 515
जिला- जालोर (राज.) मो. 9001295002

श्री शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार

अर्बुदाँचल की पर्वतमालाओं की श्रेणी में स्थित, प्राकृतिक वन-सम्पदा से सुशोभित
विश्व विख्यात श्री देलवाड़ा जैन मन्दिर के निकट स्थित परिसर में
पूज्य दादा गुरुदेव श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. का फोटो स्थापित है।
श्री विमल जैन भोजनशाला भी चालू है।

सम्पर्क सूत्र-
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
मु. पो.- देलवाड़ा-आबूपर्वत-307 501
जिला- सिरोही (राज.) दूरध्वनि- 02974-238980 मो. 9001295005

मातुश्री हंजाबाई दलीचन्दजी खिवेंसरा, आकोली
स्थापित

श्री गौड़ी पार्श्वनाथ राजेन्द्रसूरि मातुश्री धाम - आकोली

प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण परम शान्ति प्रदायक
नयनाभिराम श्री गौड़ी पार्श्वनाथजी,
जगत्पूज्य गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. तथा
खिवेंसरा जैन कुलदेवी श्री अम्बिका माताजी के त्रिमन्दिर से सुशोभित
पूज्य श्रमण-श्रमणीवृन्दों का अनुपम विहार धाम
भोजन - आवास आदि समस्त यात्री सुविधा सम्पन्न

निवेदक-स्थल
श्री गौड़ी पार्श्वनाथ राजेन्द्रसूरि
मातुश्री जैन चेरिटेबल ट्रस्ट
जालोर-भीनमाल मुख्य मार्ग,
पो.- आकोली
जिला- जालोर (राज.) 343 022
दूरभाष : 77426 66680
098441 42220

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

आचार्यश्री द्वारा..... (शेष पृष्ठ 1 का)

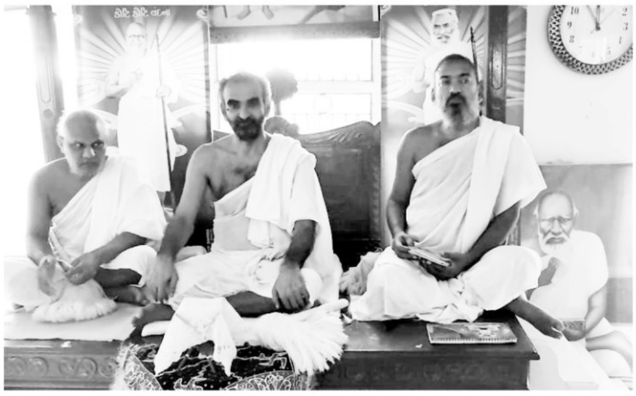

दिनांक 11 नवम्बर 2019 चतुर्दशी को चातुर्मास समापन के अवसर पर आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने कहा कि चातुर्मास समय में धानेरा नगर में तप-जप के साथ अनेक आराधनाएँ सम्पन्न हुई एवं एकता का परिचय देते हुए सभी समुदायों ने अपना अहम योगदान दिया उसकी मैं अन्तर से अनुमोदना करता हूँ और आशा करता हूँ कि भविष्य में भी यह यथावत् प्रेम-सहकार बना रहेगा।

जीवनप्रभा ग्रन्थ का लोकार्पण करते लाभार्थी परिवार

जीवनप्रभा ग्रन्थ का लोकार्पण करते लाभार्थी परिवार

इस अवसर पर यतीन्द्र वाणी प्रकाशन-मोटेरा-अहमदाबाद द्वारा प्रकाशित 'श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वर जीवनप्रभा' ग्रन्थ का लोकार्पण लाभार्थी परिवार द्वारा किया गया। सकल श्रीसंघ ने आचार्यदेवेशश्री एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द से चातुर्मास के अन्तर्गत हुई अविनय-आशातना के लिए क्षमा माँगते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया।

धानेरा नगर में आचार्यदेवेशश्री के दर्शन-वन्दन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु प्रतिदिन श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों का आगमन हो रहा है। आचार्यदेवेशश्री के दर्शन-वन्दन हेतु साँचोर, सुराणा, उदयपुर, थराद, वाली, नागदा जं., रतलाम, महावीर एस्टेक, के. पी. हाईट-ओढव, भरतपुर, सेलम आदि नगरों से गुरुभक्त भी पधारे।

कार्तिक पूर्णिमा को प्रातः आचार्यदेवेशश्री आदि ठाणा का विहार आगामी कार्यक्रमों में निश्रा प्रदान करने के लिए हुआ। विशाल संख्या में गुरुभक्त अपने लाड़ले गुरुदेवश्री को विदा करने पधारे।

मुमुक्षु का बहुमान करते पिपलौदा संघ

गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरिजी म. सा. पिपलौदा निवासी मुमुक्षु आजादकुमार जैन को शुभाशीर्वाद प्रदान करते हुए।

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा संचालित

श्री भाण्डवपुर तीर्थ एवं क्षेत्रीय सभी श्रीसंघों के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों के सीधे समाचार प्राप्त करने एवं तीर्थ परिसर में आवासीय सुविधा हेतु अग्रिम बुकिंग आदि के लिए लिंक से जुड़िये

SCAN ME

✲ रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक ✲
http://bhandavpur.com/registration-form/

bhandavpur | bhandavpur@gmail.com
+91-7340009222 | www.bhandavpur.com
पेढ़ी +91-7340019702-3-4 | BTveer

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना-प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है।
चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजे।
✲ लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। ✲ सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th of every month.' Published 1st & 15th of every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित